साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 । अंक : 28 गोंदिया : गुरुवार, 18 फरवरी 2021 ■ पृष्ठ : 4 ■ मूल्य : रु. 5

कोरोना संक्रमण दुसरे चरण का बढ़ता खतरा

शासन द्वारा लॉकडाऊन के नए दिशा-निर्देशों की संभावना
जिले में १ लाख ३५ हजार ७०५ नमूनों की जांच

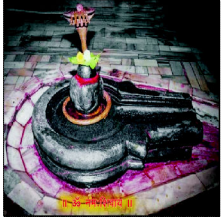

गोंदिया- कोरोना संक्रमण का खतरा खत्म होता दिखाई नही दे रहा है। संक्रमण के एक वर्ष की कालावधि के दौरान वैक्सीन निर्माण भी हो चुका है। लेकिन अब फिर से संक्रमण के दुसरे चरण का खतरा राज्य में बढ़ता दिखाई दे रहा है। जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा लॉकडाऊन नियमों की नई गाईडलाइन जारी करने की संभावना दिखाई दे रही है। गौरतलब है कि देश में कोरोना संक्रमण का एक वर्ष पुरा हो चुका है। जिसमें करोड़ो लोग संक्रमित होने के साथ ही लाखों लोगो की मौत हुई। साथ ही एक करोड़ से अधिक लोग स्वास्थ्य भी हो चुके है। भारत में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीन बनने के साथ ही इसका टीकाकरण भी शुरु हो चुका है। लेकिन अब फिर से संक्रमण के दुसरे चरण का प्रसार होता दिखाई दे रहा है। जहां कुछ दिनों पूर्व मरीजों की संख्या में कमी आ रही थी। वहीं अब फिर से संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है। जिसके चलते राज्य सरकार द्वारा लॉकडॉउन के नियमों में फिर से बढ़ोत्तरी करने की संभावना दिखाई दे रही है।

गोंदिया जिले में मरीजों की संख्या कोरोना संक्रमण के चलते गोंदिया जिले में अब तक १ लाख ३५ हजार ७०५ स्वैब नमूनों की जांच की जा चुकी है। जिसमें ६८ हजार ३५७ आरटीपीसीआर जांच में ८ हजार ४४६ नमूने पॉजिटिव पाए गए वहीं ५६ हजार ६५७ नमूने निगेटिव आए तथा ६७ हजार ४४८ रैपिड एंटिजन जांच में ६ हजार १५४ नमूने पॉजिटिव तथा ६१ हजार १९४ नमूने निगेटिव पाए गए।

अब तक १४३०६ मरीज, १४०६४ स्वस्थ्य १८४ की मौत

गोंदिया जिले में कोरोना संक्रमण काल के दौरान कुल १४ हजार ३०६ मरीज संक्रमित हुए जिनमें से १४ हजार ६४ मरीज उपचार के पश्चात स्वस्थ्य हुए वहीं १८४ मरीजों की मौत हुई। गत माह में मरीजों की संख्या में निरंतर कमी आने के साथ अब फिर से संख्या बढ़ती हुई सामने आ रही है।

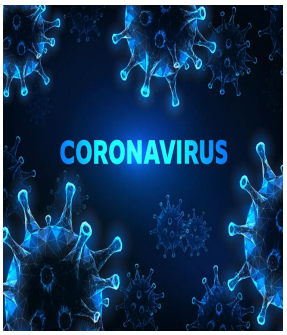

८ हजार ५७८ कोरोना योद्धाओं का टीकाकरण

कोरोना संक्रमण के चलते इस दौरान फ्रंट लाइन के रुप में कार्य करनेवाले कोरोना योद्धाओं का टीकाकरण १६ जनवरी से शुरु किया गया था। जिसमें १७ फरवरी तक जिले में ८ हजार ५७८ कोरोना योद्धाओं का टीकाकरण प्रथम चरण में किया गया। तथा जिन्हें प्रथम चरण में पहला टीका लगाया गया उसके २८ वे दिन दुसरे टीकाकरण का कार्य शुरु हुआ जिसमें २७७ कोरोना योद्धाओ को टीका लगाया गया।

सावधानी बरतना अब भी जरुरी

कोरोना संक्रमण लगभग पुरी तरह खत्म नही हुआ है। जिसका प्रसार दुसरे चरण के रुप में विदेशो में तेजी से फैल रहा है। जिसका असर देश के साथ-साथ राज्य में भी दिखाई दे रहा है। जिसके चलते नागरिको को कोरोना संक्रमण से बचाव के नियमों का पालन कड़ाई से करना होंगा। जिससे ही इस महामारी के दुसरे चरण के संकट से बचा जा सके। जिसमें सार्वजनिक स्थानों में सोशल डिस्टेसिंग बनाए रखना, मास्क का उपयोग करना, समय-समय पर हैंडवॉश करने के साथ ही सेनेटाइजर का उपयोग करना भी आवश्यक है।

जिले में दिखा रहा लापरवाही का आलम

जिले में गत कुछ समय से संक्रमित मरीजों की संख्या में आ रही कमी को देखते हुए फिर से जनजीवन सामान्य होने के साथ ही संक्रमण के प्रति नागरिकों में लापरवाही बरतने का आलम दिखाई दे रहा है। जिससे भविष्य में यह लापरवाही महंगी साबित हो सकती है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी आयोजित होनेवाले विवाह समारोह, सार्वजनिक कार्यक्रमों, बाजारों, साप्ताहिक बाजारों जैसे स्थानों पर भारी भीढ़ जमा होने के साथ ही नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। इस ओर यदि इसी प्रकार अनदेखी चलती रही तो बढ़ते कोरोना संक्रमण से लड़ना कॉफी कठीन होंगा।

जिले में बोदलकसा पक्षी महोत्सव २७ से

गोंदिया- जिला प्रशासन व पर्यटन संचालनालय के संयुक्त तत्वावधान में २७ व २८ फरवरी २०२१ को बोदलकसा पक्षी पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। गोंदिया जिले के प्राकृतिक सौंदर्य प्रेक्षणीय स्थल है जो पर्यटन को लुभाते है। पर्यटन को प्रोत्साहन के उद्देश्य से शासन ने बोदलकसा पक्षी महोत्सव लेने की सूचना दी है। जिसमें वनविभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग के विविध उपक्रम चलाए जाएंगे। जिले के पर्यटन प्रेमी, पक्षी मित्र द्वारा महोत्सव में हिस्सा लिया जाएगा। इस महोत्सव में शामिल होने का अहवान जिला प्रशासन की ओर से किया गया है।

१० हजार की रिश्वत लेते ग्रामीण थाने के निरीक्षक रंगनाथ धारबले गिरफ्तार

गोंदिया - ग्रामीण पुलिस थाने में कार्यरत तत्कालीन पुलिस निरीक्षक रंगनाथ त्र्यंबक धारबले को गोंदिया एसीबी द्वारा १५ फरवरी को गिरफ्तार किया। उपरोक्त मामला इस प्रकार है कि गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम टांडा निवासी फरियादी उत्तमचंद मोहन खाडेकर पर तड़ीपार की कार्रवाई ना कर उस में सहयोग करने के नाम से १७ जनवरी को ग्रामीण पुलिस थाने में कार्यरत पुलिस हवलदार रामसिंह सूरजनाथ सिंह बैस द्वारा १५ हजार की रिश्वत मांगी थी। जिसमें ५ हजार स्वयं के वह १० हजार तत्कालीन पुलिस निरीक्षक रंगनाथ धारबले के लिए। इस मामले में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों एसीबी द्वारा हवलदार रामसिंह बैस को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में जांच के दौरान तत्कालीन पुलिस निरीक्षक द्वारा १० हजार मांगे जाने का जांच में सामने आने पर १५ फरवरी को एसीबी द्वारा रंगनाथ धारबले को गिरफ्तार कर भ्रष्टाचार प्रतिबंधक कानून १२ सुधारित अधिनियम २०१८ के तहत दर्ज कर आगे की जांच शुरु की।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक एसीबी रश्मि नांदेड़कर, अपर पुलिस अधीक्षक मिलिंद तोतरे के मार्गदर्शन में गोंदिया एसीबी के उपअधीक्षक रमाकांत कोकाटे, सहायक फौजदार विजय खोब्रागड़े, पोहवा प्रदीप तुलसकर, राजेश शेंद्रे, नापोशि रंजीत बिसेन, दिगंबर जाधव, नितिन रंहागडाले, राजेद्र बिसेन, विभाग द्वारा की गई।

२ वर्षो से तेंदुपत्ता मजदूर बोनश से वंचित

वनपरिक्षेत्राधिकारी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता दरेकसा - दरेकसा तहसील अंतर्गत आनेवाले जंगलो से तेंदुपत्ता संकलन का कार्य बड़े पैमाने में किया जाता है। तेंदुपत्ता संकलन का कार्य गरीब किसान व मजदूरों द्वारा किया जाता है। लेकिन पिछले दो वर्षो से इन मजदूरों को बोनस के रुप में मिलने वाली राशि से वंचित रहना पड़ रहा है। जिसके चलते ग्राम जमाकुड़ो, चांदसुरज, दलदलकुही, वंजारी, विचारपुर, टोयागोंदी, बरटोला, पिपरिया, धनेगांव के मजदूरों व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने वनविभाग सालेकसा के कार्यालय में जाकर वनपरिक्षेत्राधिकारी अभिजीत इलमकर को ज्ञापन सौंपा जिसमें तेंदुपत्ता मजदूरों को बोनस के रुप में मिलने वाली रुकी हुई राशि को शिघ्र ही देने की मांग की गई। जिसपर वन परिक्षेत्राधिकारी इलमकर ने मजदूरों के खाते में उक्त राशि भेजने का आश्वासन दिया। लेकिन १० दिनों के भीतर में मांग पुरी नहीं किए जाने पर तेंदुपत्ता मजदूरों ने वनविभाग कार्यालय के समक्ष अनसन में बैठने की चेतावनी दी। ज्ञापन सौंपते समय शंकर मड़ावी, वीरेंद्र उईके, मनोज विश्वकर्मा, राजेश ब्राम्हणकर, रामदास मड़ावी, त्रिभुवन दमाहे, सूरज मड़ावी आदि उपस्थित थे।

ग्रीष्मकाल में ३१३ जलस्त्रोत बुझाएंगे वन्यजीवों की प्यास

गोंदिया- गोंदिया जिले के १२ वन परिक्षेत्र के १ लाख ७३ हजार हेक्टर जंगल क्षेत्र में विचरण करनेवाले वन्यजीवों के लिए वनविभाग ने आगामी ग्रीष्मकाल को देखते हुए ३१३ जलस्त्रोत उपलब्ध किए हैं। जिसमें १३७ प्राकृतिक तथा १७६ कृत्रिम जलस्त्रोतों का समावेश है। जहां पानी खत्म होगा, वहां टैंक एवं सोलर के माध्यम से पानी डालने की व्यवस्था करने का भी नियोजन किया जा रहा है।

इस संदर्भ में वनविभाग से मिली जानकारी के अनुसार गोंदिया वन परिक्षेत्र में १७ प्राकृतिक एवं १३ कुत्रिम, तिरोड़ा वनपरिक्षेत्र में १ प्राकृतिक एवं ३७ प्राकृतिक, गोरेगांव वन परिक्षेत्र में ३६ प्राकृतिक व ६ कृत्रिम, दक्षिण देवरी वनपरिक्षेत्र में ५ प्राकृतिक व ७ कृत्रिम, चिचगढ़ १२ प्राकृतिक व २६ कृत्रिम, सड़क अर्जुनी में ३४ प्राकृतिक व ३४ कृत्रिम, अर्जुनी मोरगांव ७ प्राकृतिक व २ कृत्रिम, उत्तर देवरी में ३ प्राकृतिक व ७ कृत्रिम, गोठनगांव में १४ प्राकृतिक व २७ कृत्रिम, नवेगांवबांध में १२ प्राकृतिक, आमगांव में २३ प्राकृतिक व १५ कृत्रिम तथा सालेकसा वनपरिक्षेत्र में ९ प्राकृतिक व २ कृत्रिम जलस्त्रोत उपलब्ध है।

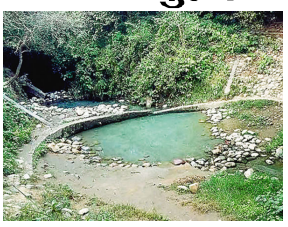

उल्लेखनिय है कि गत वर्ष बारिश का प्रमाण अत्यपल्य होने से वन्यजीवों को ग्रीष्मकाल मे प्रति दो किमी दूरी में पेयजल उपलब्ध कराना वनविभाग के लिए कठीन साबित हो गया था। क्योंकि ग्रीष्मकाल की आहट लगने के पूर्व ही जलस्त्रोत सूख गए थे। लेकिन इस वर्ष अच्छी बारिश होने से जिले के सभी जलस्त्रोत में पर्याप्त पानी है। किसी भी वनपरिक्षेत्र में टैंकर से जलापूर्ति करने की नौबत नही आई है। लेकिन इसके बावजूद विभाग द्वारा टैंकर एवं सोलर के माध्यम से जलापूर्ति करने की योजना बनाई है।

जिले के सभी वनपरिक्षेत्र में जो प्राकृतिक व कृत्रिम जलस्त्रोत है उनमें पर्याप्त मात्रा में पानी है। ग्रीष्मकाल में यदि जलस्त्रोत सुखते है तो वहां टैंकर से जलापूर्ति करने का नियोजन किया गया है।
– **राजेंद्र सतगीर,** सहायक वन संरक्षक, गोंदिया

रिंकु शर्मा हत्याकांड में आरोपियों को हो फांसी की सजा

१० फरवरी को दिल्ली में बजरंग दल कार्यकर्ता रिंकू शर्मा की मुस्लिम जिहादियों द्वारा हत्या किये जाने को लेकर गोंदिया के जिलाधिकारी को विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल गोंदिया द्वारा ज्ञापन सौंपा गया व रिंकू शर्मा के कातिलों को फांसी की सजा हो ऐसी मांग की गई। ज्ञापन देते वक्त नवीन जैन, महेंद्र देशमुमख, मुकेश उपराडे, रमन सिंघल, अंकित कुलकर्णी आशीष कटरे, हरीश अग्रवाल, रत्नेश चौधरी, मुकेश येरपुडे, शिवा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

भंडारा चिकित्सालय की घटना से ले सबक

ऑक्सीजन प्लांट निर्माण में करें नियमों का पालन

गोंदिया- भंडारा के शासकिय चिकित्सालय में हुए अग्नीकांड से प्रशासन द्वारा सबक लेकर विकास के नाम पर किए जानेवाले कार्यों में नियमों का पालन कर आवश्यक सूविधाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। जिसका उल्लंघन कर गोंदिया शासकीय मेड़िकल कॉलेज में ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। गौरतलब है कि किसी भी प्रकार के गंभीर हादसों के बाद कुछ दिनों तक शासन व प्रशासन द्वारा उसकी जांच व नियमों के पालन को लेकर कड़ाई की जाती है। लेकिन फिर से उस ओर अनदेखी किए जाने से भविष्य में अन्य हादसा घटित हो जाता है। पहले से ही सजगता व सावधानी बरती जाए तो हादसों की संख्या में कमी कर जान-माल के नुकसान से काफी हद तक बचा जा सकता है। लेकिन विकास व सूविधाओं के नाम पर किए जानेवाले कार्यों में पुरी तरह नियमों व मापदंडो का पालन नहीं हो पाता है। जिसका उदाहरण गोंदिया शासकीय मेड़िकल कॉलेज में देखने को मिल रहा है। विशेष यह है कि मेड़िकल कॉलेज की इमारत का निर्माण न होने से गत ५-६ वर्षों से कॉलेज जिला चिकित्सालय की सीमित जगह व छोटी इमारत में ही चल रहा है। इतने वर्षो से शुरु मेड़िकल कॉलेज आज भी अपनी मुलभूत अतिआवश्यक सूविधाओं से वंचित है। जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, दवाईयों की कमी, सामान्य रक्त जांच में लगनेवाली कीट, सोनोग्रॉफी की व्यवस्था, एक्सरे मशीन की व्यवस्था, मरीजों के लिए बेड की आवश्यकता जैसी वस्तूओं का अभाव होने के बावजूद उस ओर अनदेखी कर विकास व सूविधाओं के नाम पर आनन-फानन में सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन न करते हुए ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण किया जा रहा है। हालांकि विकास के लिए होनेवाले कामों का विरोध नही होना चाहिए लेकिन यह देखना भी आवश्यक है कि महत्वपूर्ण और अतिआवश्य क्या है। उन्हें प्राथमिकता देकर शासन व अन्य कंपनियों के सीएसआर फंड की राशि का उपयोग किया जाना चाहिए।

बैंक कर्मचारियों की गैरजवाबदारी से खातेदार त्रस्त

प्रेस कांफ्रेस में लगाया आरोप, शाम ७ बजे के बाद शुरु होता बैंक का कार्य

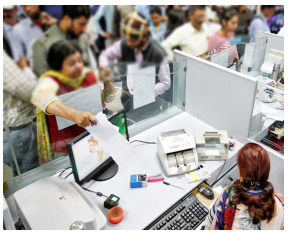

संवाददाता सालेकसा - तहसील अंतर्गत आनेवाली सहकारी बैंक जो हमेशा तहसील में चर्चा का विषय रहा है, ने एक बार फिर खुद को विवादों के बीच पाया है। बैंक के खाताधारक एक साथ आए और बैंक के कुप्रबंधन के खिलाफ प्रेस कांफ्रेस की। जिसमें बताया गया कि बैंक के कर्मचारी आने वाले खाताधारकों के साथ गलत व्यवहार कर रहे हैं और अपने लाभ के लिए ग्राहकों को सुविधाएं देने का प्रयास कर रहे हैं। बैंक के कर्मचारी कुछ ग्राहकों को खाते से पैसे निकालने के लिए विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं और बदले में उनसे कुछ राशि वसूलते हैं। एक लाख रुपये निकालने के लिए हजारों रुपये लिए जाते हैं। जिन खाताधारकों को भुगतान करने से मना किया गया है, उनके पास नकद उपलब्ध नहीं है, कल तक प्रतीक्षा करें, शाम तक प्रतीक्षा करें, अपने स्वयं के खाते से पैसे निकालने के लिए विभिन्न कारण बनाते हैं। इस तरह का आरोप यहां के खातधारकों द्वारा प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन कर लगाया गया।

शाम तक ग्राहकों को करना पड़ता इंतजार

बैंक से पैसे निकालने के लिए उन्हें शाम तक निलंबित कर दिया जाता है। बाहर जाने वाले नागरिक इसका सामना करते हैं। सुबह पैसे निकालने के लिए आने वाले नागरिक बस शाम तक इंतजार कर रहे हैं और नागरिकों की भीड़ बैंक परिसर में देखी जा सकती है। कर्मचारियों और अधिकारियों के इस लापरवाही के कारण नागरिक गुस्से में हैं और वे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। लेकिन अभी तक कर्मचारियों के खिलाफ कोई कार्यवाई नहीं की गई हैं। जिसके चलते नागरिकों में भ्रम की स्थिति निर्माण हो रही है।

बैंक के पिछले कमरे में होती है पार्टियां

आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में खातधाराकों ने यह भी आरोप लगाया कि बैंक के कर्मचारियों व अधिकारियों की मिलीभगत के चलते पार्टियों का आयोजन किया जाता है। जिस कमरे को बैंक के निदेशक मंडल के रुप में रखा गया उसी कमरे में पार्टियां की जा रही है तथा कर्मचारियों को नशे की हालत में देखा जा रहा है।

बैंक के स्टॉफ की बदली क्यों नही?

बैंक कर्मचारियों की नियुक्ति को कई साल बीत चुके हैं लेकिन उनकी कभी भी बदली नहीं किया गया इसके अलावा यहां धनी खाताधारकों के व्यक्तिगत कनेक्शनों के कारण इन कर्मारियों के माध्यम से अन्य खाताधारकों को अच्छी सूविधा दी जा रही हैं। जिन कर्मचारियों की अब तक बदली नहीं हुई है ऐसे कर्मचारियों की बदली किए जाने की मांग की गई।

खतरा और बचाव

भारत में कोरोना महामारी का जोर अब कमजोर भले पड़ने लगा हो, लेकिन खतरा अभी टला नहीं है।

देश के भीतर भी चुनौतियां बरकरार हैं और दूसरे देशों में मिल रहे विषाणु के नए-नए रूपों से भी खतरा बढ़ रहा है। पिछले दिनों अंगोला, तंजानिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत पहुंचे चार लोगों में कोरोना विषाणु का नया रूप मिला था। ब्राजील से आए एक शख्स में भी विषाणु का एक और नया स्वरूप पाया गया।

इससे पहले दिसंबर में ब्रिटेन से आए लोगों में पहली बार कोरोना विषाणु के नए प्रकार के बारे में परदा उठा था। संकट तब गहराया जब भारत पहुंचे ये लोग बिना जांच के दूसरे शहरों में पहुंच गए। कहा नहीं जा सकता कि इन लोगों के जरिए कितने लोग संक्रमित हुए होंगे। ब्रिटेन से ऐसे करीब दो सौ लोग भारत पहुंचे थे। वैज्ञानिक और चिकित्सक पहले ही कह चुके हैं कि कोरोना का विषाणु अपने रूप बदलता रहता है और किसी भी देश में इसके नए रूप देखने को मिल जाएं तो इसमें आश्चर्य नहीं, साथ ही ये कम या ज्यादा खतरनाक साबित हो सकते हैं। ऐसे में सतर्कता और ज्यादा जरूरी हो जाती है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि कोरोना संक्रमण कब, कहां और किस रूप में आबादी को अपना शिकार बना ले। महाराष्ट्र और केरल में जिस तेजी से मामले बढ़ने लगे हैं, उससे तो लग रहा है कि जरा-सी लापरवाही भी देश को फिर से गंभीर संकट में धकेल देगी। केरल और महाराष्ट्र को छोड़ दें तो देश के ज्यादातर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में हालात अब काबू में हैं और कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा भी शून्य हो चुका है।

इनमें राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु सहित उत्तर पूर्व के राज्य भी शामिल हैं जहां संक्रमण सबसे ज्यादा फैला था। पर पिछले एक हफ्ते के दौरान महाराष्ट्र में रोजाना तीन हजार से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं। मुंबई में तो अब लोकल ट्रेन सेवा चालू हो चुकी है। जाहिर है, मौड़ पहले की तरह बढ़ गई है। ऐसे में खतरे को बढ़ने से रोक पाना आसान नहीं है।

महाराष्ट्र और केरल के हालात का जायजा लेने गए केंद्रीय दल ने अपनी रिपोर्ट में इन राज्यों में बरती जा रही लापरवाही की ओर इशारा किया है। दल ने यह भी कहा कि संक्रमण के मामलों का पता लगाने के लिए सरकारें बड़े पैमाने पर आरटीपीसीआर जांच नहीं करवा रहीं। हालांकि इन दोनों राज्यों में संक्रमण फैलने का एक कारण विषाणु का बदलता रुप भी हो सकता है, पर फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में आरटीपीसीआर जांच आवश्यक हो जाती है और इसे नजरअंदाज करना सभी के लिए भारी पड़ सकता है।

भारत ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए जिस तरह के सतत प्रयास किए, उन्हीं का परिणाम है कि हमें आज ब्रिटेन, जर्मनी और अमेरिका जैसे दिन नहीं देखने पड़े। वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत से जल्द स्वदेशी टीका भी आ गया और देश में टीकाकरण का अभियान शुरू हो गया। ऐसे में अगर लोग लापरवाही दिखाने लगेंगे तो संक्रमण फैलने में वक्त नहीं लगेगा। शुरू से इस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाता रहा है कि कोरोना संक्रमण से बचाव के मास्क और सुरक्षित दूरी सहित सभी नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। टीका अपनी जगह काम करेगा और बचाव संबंधी उपाय अपनी जगह।

वसंत पंचमी या श्रीपंचमी एक हिन्दू त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। यह पूजा पूर्वी भारत, पश्चिमोत्तर बांग्लादेश, नेपाल और कई राष्ट्रों में बड़े उल्लास से मनायी जाती है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं। शास्त्रों में बसंत पंचमी को कृषि पंचमी से उल्लेखित किया गया है, तो पुराणों-शास्त्रों तथा अनेक काव्यग्रंथों में भी अलग- अलग ढंग से इसका चित्रण मिलता है।

प्राचीन भारत और नेपाल में पूरे साल को जिन छह मौसमों में बाँटा जाता था उनमें वसंत लोगों का सबसे मनचाहा मौसम था। जब फूलों पर बहार आ जाती, खेतों में सरसों का फूल मानो सोना चमकने लगता, जौ और गेहूं की बालियां खिलने लगतीं, आमों के पेड़ों पर मांजर (बौर) आ जाता और हर तरफ रंग-बिरंगी तितलियां मंडराने लगतीं। भर-भर भंवरे भंवराने लगते। वसंत ऋतु का स्वागत करने के लिए माघ महीने के पांचवे दिन एक बड़ा जश्न मनाया जाता था जिसमें विष्णु और कामदेव की पूजा होती थी। यह वसंत पंचमी का त्यौहार कहलाता था।

पर्व का महत्व

वसंत ऋतु आते ही प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। मानव तो क्या पशु-पक्षी तक उल्लास से भर जाते हैं। हर दिन नयी उमंग से सूर्योदय होता है और नयी चेतना प्रदान कर अगले दिन फिर आने का आश्वासन देकर चला जाता है।

यों तो माघ का यह पूरा मास ही उत्साह देने वाला है, पर वसंत पंचमी (माघ शुक्ल ५) का पर्व भारतीय जनजीवन को अनेक तरह से प्रभावित करता है। प्राचीनकाल से इसे ज्ञान और कला की देवी मां सरस्वती का जन्मदिवस माना जाता है। जो शिक्षाविद भारत और भारतीयता से प्रेम करते हैं, वे इस दिन मां शारदे की पूजा कर उनसे और अधिक ज्ञानवान होने की प्रार्थना करते हैं। कलाकारों का तो कहना ही क्या? जो महत्व सैनिकों के लिए अपने शस्त्रों और विजयादशमी का है, जो विद्वानों के लिए अपनी पुस्तकों और व्यास पूर्णिमा का है, जो व्यापारियों के लिए अपने तराजू, बाट, बहीखातों और दीपावली का है, वही महत्व कलाकारों के लिए वसंत पंचमी का है। चाहे वे कवि हों या लेखक, गायक हों या वादक, नाटककार हों या नृत्यकार, सब दिन का प्रारम्भ अपने उपकरणों की पूजा और मां सरस्वती की वंदना से करते हैं।

पौराणिक महत्व

इसके साथ ही यह पर्व हमें अतीत की अनेक प्रेरक घटनाओं की भी याद दिलाता है। सर्वप्रथम तो यह हमें त्रेता युग से जोड़ती है। रावण द्वारा सीता के हरण के बाद श्रीराम उसकी खोज में दक्षिण की ओर बढ़े। इसमें जिन स्थानों पर वे गये, उनमें दण्डकारण्य भी था। यहीं शबरी नामक भीलनी रहती थी। जब राम उसकी कुटिया में पधारे, तो वह सुध-बुध खो बैठी और चख-चखकर मीठे बेर राम जी को खिलाने लगी। प्रेम में पगे जूठे बेरों वाली इस घटना को रामकथा के सभी गायकों ने अपने-अपने ढंग से प्रस्तुत किया।

दंडकारण्य का वह क्षेत्र इन दिनों गुजरात और मध्य प्रदेश में फैला है। गुजरात के डांग जिले में वह स्थान है जहां शबरी मां का आश्रम था। वसंत पंचमी के दिन ही रामचंद्र जी वहां आये थे। उस क्षेत्र के वनवासी आज भी एक शिला को पूजते हैं, जिसके बारे में उनकी श्रद्धा है कि श्रीराम आकर यहीं बैठे थे। वहां शबरी माता का मंदिर भी है।

ऐतिहासिक महत्व

वसंत पंचमी का दिन हमें पृथ्वीराज चौहान की भी याद दिलाता है। उन्होंने विदेशी हमलावर मोहम्मद गोरी को १६ बार पराजित किया और उदारता दिखाते हुए हर बार जीवित छोड़ दिया, पर जब सत्रहवीं बार वे पराजित हुए, तो मोहम्मद गोरी ने उन्हें नहीं छोड़ा। वह उन्हें अपने साथ अफगानिस्तान ले गया और उनकी आंखें फोड़ दीं। इसके बाद की घटना तो जगप्रसिद्ध ही है। मोहम्मद गोरी ने मृत्युदंड देने से पूर्व उनके शब्दभेदी बाण का कमाल देखना चाहा। पृथ्वीराज के साथी कवि चंदबरदाई के परामर्श पर गोरी ने ऊंचे स्थान पर बैठकर तवे पर चोट मारकर संकेत किया। तभी चंदबरदाई ने पृथ्वीराज को संदेश दिया।

चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण।
ता ऊपर सुल्तान है, मत चूको चौहान।।

पृथ्वीराज चौहान ने इस बार भूल नहीं की। उन्होंने तवे पर हुई चोट और चंदबरदाई के संकेत से अनुमान लगाकर जो बाण मारा, वह मोहम्मद गोरी के सीने में जा धंसा। इसके बाद चंदबरदाई और पृथ्वीराज ने भी एक दूसरे के पेट में छुरा भोंककर आत्मबलिदान दे दिया। ११९२ ई. में यह घटना भी वसंत पंचमी वाले दिन ही हुई थी।

सिखों के लिए भी बसंत पंचमी के दिन का बहुत महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोबिन्द सिंह जी का विवाह हुआ था।

वसंत पंचमी हमें गुरु रामसिंह कूका की भी याद दिलाती है। उनका जन्म १८१६ ई. में वसंत पंचमी पर लुधियाना के भैणी ग्राम में हुआ था। कुछ समय वे महाराजा रणजीत सिंह की सेना में रहे, फिर घर आकर खेतीबाड़ी में लग गये, पर आध्यात्मिक प्रवृत्ति होने के कारण इनके प्रवचन सुनने लोग आने लगे। धीरे-धीरे इनके शिष्यों का एक अलग पंथ ही बन गया, जो कूका पंथ कहलाया।

राजा भोज का जन्मदिवस वसंत पंचमी को ही आता है। राजा भोज इस दिन एक बड़ा उत्सव करवाते थे जिसमें पूरी प्रजा के लिए एक बड़ा प्रीतिभोज रखा जाता था जो चालीस दिन तक चलता था।

वसन्त पंचमी हिन्दी साहित्य की अमर विभूति महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी **निराला** का जन्मदिवस (२८.०२.१८९९) भी है। निराला जी के मन में निर्धनों के प्रति अपार प्रेम और पीड़ा थी। वे अपने पैसे और वस्त्र खुले मन से निर्धनों को दे डालते थे। इस कारण लोग उन्हें **महाप्राण** कहते थे। इस दिन जन्मे लोग कोशिश करें तो बहुत आगे जाते है।

वसन्त पंचमी कथा

उपनिषदों की कथा के अनुसार सृष्टि के प्रारंभिक काल में भगवान शिव की आज्ञा से भगवान ब्रम्हा ने जीवों, खासतौर पर मनुष्य योनि की रचना की। लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगता था कि कुछ कमी रह गई है जिसके कारण चारों ओर मौन छाया रहता है। हालांकि उपनिषद व पुराण द्वविधा को अपना अपना अनुभव है, अगर यह हमारे पवित्र सत ग्रंथों से मेल नहीं खाता तो यह मान्य नहीं है। तब ब्रम्हा जी ने इस समस्या के निवारण के लिए अपने कमण्डल से जल अपने हथेली में लेकर संकल्प स्वरुप उस जल को छिड़कर भगवान श्री विष्णु की स्तुति करनी आरम्भ की। ब्रम्हा जी के किये स्तुति को सुन कर भगवान विष्णु तत्काल ही उनके सम्मुख प्रकट हो गए और उनकी समस्या जानकर भगवान विष्णु ने आदिशक्ति दुर्गा माता का आव्हान किया। विष्णु जी के द्वारा आव्हान होने के कारण भगवती दुर्गा वहां तुरंत ही प्रकट हो गयीं तब ब्रम्हा एवं विष्णु जी ने उन्हें इस संकट को दूर करने का निवेदन किया।

ब्रम्हा तथा विष्णु बातों को सुनने के बाद उसी क्षण आदिशक्ति दुर्गा के शरीर से श्वेत रंग का एक भारी तेज उत्पन्न हुआ जो एक दिव्य नारी के रुप में बदल गया। यह स्वरुप एक चतुर्भुजी सुंदर स्त्री का था जिनके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ में वर मुद्रा थे। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला थी। प्रकट होते ही उन देवी ने वीणा का मधुरनाद किया जिससे संसार के समस्त जीव-जन्तुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया। पवन चलने से सरसराहट होने लगी। तब सभी देवताओं ने शब्द और रस का संचार कर देने वाली उन देवी को वाणी की अधिष्ठात्री देवी **सरस्वती** कहा।

फिर आदिशक्ति ने ब्रम्हा जी से कहा कि मेरे तेज से उत्पन्न हुई ये देवी सरस्वती आपकी पत्नी बनेंगी, जैसे लक्ष्मी श्री विष्णु की शक्ति हैं, पार्वती महादेव शिव की, उसी प्रकार ये सरस्वती देवी ही आपकी शक्ति होंगी। ऐसा कह कर आदिशक्ति श्री दुर्गा सब देवताओं के देखते-देखते वहीं अंतर्धान हो गयीं। इसके बाद सभी देवता सृष्टि के संचालन में संलग्न हो गए।

सरस्वती को वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादनी और वाग्देवी सहित अनेक नामों से पूजा जाता है। ये विद्या और बुद्धि प्रदाता हैं। संगीत की उत्पत्ति करने के कारण ये संगीत की देवी भी हैं। बसन्त पंचमी के दिन को इनके प्रकटोत्सव के रुप में भी मनाते हैं। क्रग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन करते हुए कहा गया है-

प्रणो देवी सरस्वती वाजेभिर्वजिनीवती
धीनामणित्रयवतु।

अर्थात ये परम चेतना हैं। सरस्वती के रुप में ये हमारी बुद्धि, प्रज्ञा तथा मनोवृत्तियों की संरक्षिका हैं। हमें जो आचार और मेधा है उसका आधार भगवती सरस्वती ही हैं। इनकी समृद्धि और स्वरुप का वैभव अद्भुत है। पुराणों के अनुसार श्रीकृष्णा ने सरस्वती से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान दिया था कि वसंत पंचमी के दिन तुम्हारी भी आराधना की जाएगी और तभी से इस वरदान के फलस्वरुप भारत देश में वसंत पंचमी के दिन विद्या की देवी सरस्वती की भी पूजा होने लगी जो कि आज तक जारी है।

पतंगबाजी का वसंत से कोई सीधा संबंध नहीं है। लेकिन पतंग उड़ाने का रिवाज हजारों साल पहले चीन में शुरु हुआ और फिर कोरिया और जापान के रास्ते होता हुआ भारत पहुंचा।

कमर दर्द के आसन

कमर दर्द रोग के कारण –

१) उठने बैठने और सोने में गलत स्थिति
२) एक ही स्थिति में लगातार बैठना
३) भारी सामान गलत तरीके से उठाना
४) मोटे व नरम गद्दों में सोना
५) चोट लगना
६) खडे होकर भोजन व पानी ग्रहण करना
७) वात प्रकोप

अर्ध्दचंद्रासन

सबसे पहले अपने घुटनों के बल खड़े हो जाए। अपनी जांघो को पुरी तरह से सीधा रखे। अब दोनों हाथों को छाती में रखे। श्वास अंदर भरकर गर्दन एवं सिर को पीछे की ओर झुकाते हुए कमर को उपर की ओर तानें जब सिर को झुकाते हुए एड़ियों में टीका देते है। तब यह अर्ध्दचंद्रासन पूर्ण हो जाता है। जब आप शुरुवात कर रहे हो तो आप इसे २० सेंकड से अधिक समय तक न रखे।

लाभ : कब्ज, एसिडिटी, अपच पाचन में सुधार होता है। प्रतिदिन अभ्यास करने से जांघो की चर्बी कम होती है। कंधे व पीठ दर्द को ठीक करता है। मासिक धर्म की परेशानियों को दुर करता है। फेफडे स्वास्थ्य बनाता है। डायबिटीज, थायराईट को ठीक करता है।

सावधानी : उच्च रक्तचाप में इसे नही करना चाहिए तथा हृदय रोग से पीड़ित व्यक्ति भी इसे न करे। हर्निया से ग्रस्त व्यक्ति को यह अध्यान नही करना चाहिए। अधिक कमर दर्द में इसका अभ्यास करे। गर्भवती स्त्री इसका अभ्यास न करे।

उदासन

विधि : वज्रासन की स्थिति में बैठे। अब एड़ियों को खड़ा करके उनपर दोनों हाथों को रखे। हाथों को इस प्रकार रखे कि अगुलियाँ अंदर की ओर तथा अंगुष्ठ बाहर को हो श्वास अंदर भरकर सिर एवं ग्रीवा को पीछे मोड़ते हुए कमर को उपर उठाऐं। श्वास छोडते हुए एड़ियों पर बैठ जाए। इस प्रकार तीन से चार आवृत्ति करे।

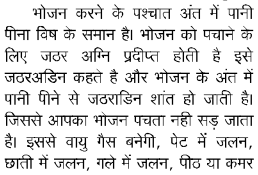

निरोगी रहने के लिए आवश्यक सुत्र

भोजन करने के पश्चात अंत में पानी पीना विष के समान है। भोजन को पचाने के लिए जठर अग्नि प्रदीप्त होती है इसे जठरअग्नि कहते है और भोजन के अंत में पानी पीने से जठराग्नि शांत हो जाती है। जिससे आपका भोजन पचता नही सड़ जाता है। इससे वायु गैस बनेगी, पेट में जलन, छाती में जलन, गले में जलन, पीठ या कमर में दर्द, सर में दर्द उठना, एसिडीटी, हाईपर, अल्सर, बवासीर, भगंदर, कोलेस्ट्रॉल बढ़ेगा व हार्ट टैक की संभावना अंत में कैंसर होना। इस गलती से शरीर में १०५ प्रकार के रोग पैदा होते है।

पानी कब पीना चाहिए

भोजन करने के कम से कम ४८ मीटन पहले पानी पीये और भोजन करने के डेढ़ घंटे से दो घंटे बाद पानी पीना चाहिए। भोजन के अंत में एक या दो घुंट पानी पी सकते है।

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । – सम्पादक

समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध एवम् एकता का पाठ

महर्षि दयानन्द सरस्वती ने समाज के प्रति स्वंय को उत्तरदायी माना और इसलिए ही उसमे व्याप्त कुरीतियों एवं अंधविश्वासों के खिलाफ आवाज बुलंद की।

बाल विवाह विरोध

उस समय बाल विवाह की प्रथा सभी जगह व्याप्त थी सभी उसका अनुसरण सहर्ष करते थे। तब स्वामी ने शास्त्रों के माध्यम से लोगो को इस प्रथा के विरुद्ध जगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शास्त्रों में उल्लेखित हैं। मनुष्य जीवन में अग्रिम २५ वर्ष ब्रम्हचर्य के है। उसके अनुसार बाल विवाह एक कुप्रथा हैं। उन्होंने कहा कि अगर बाल विवाह होता हैं तो वो मनुष्य निर्बल बनता हैं और निर्बलता के कारण समय से पूर्व मृत्यु को प्राप्त होता हैं.

सती प्रथा विरोध

पति के साथ पत्नी को भी उसकी मृत्यु शैया पर अग्नि को समर्पित कर देने जैसी अमानवीय सति प्रथा का भी विरोध किया और मनुष्य जाति को प्रेम आदर का भाव सिखाया। परोपकार का संदेश दिया।

विधवा पुनर्विवाह

देश में व्याप्त ऐसी बुराई जो आज भी देश का हिस्सा हैं। विधवा स्त्रियों का स्तर आज भी देश में संघर्षपूर्ण हैं। दयानंद सरस्वती जी ने इस बात की बहुत निन्दा की और उस जमाने में भी नारियों के सह सम्मान पुनर्विवाह के लिये अपना मत दिया और लोगो को इस ओर जागरुक करने का कार्य किया।

एकता का संदेश

दयानन्द सरस्वती का एक स्वप्न था, जो आज तक अधुरा हैं , वे सभी धर्मो और उनके अनुयायी को एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। उनका मानना था आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा लेता हैं। इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक हैं। जिसके लिए उन्होंने कई सभाओं का नेतृत्व किया लेकिन वे हिन्दू, मुस्लिम एवं ईसाई धर्मों को एक माला में पिरो ना सके।

वर्ण भेद का विरोध

उन्होंने सदैव कहा शास्त्रों में वर्ण भेद शब्द नहीं, बल्कि वर्ण व्यवस्था शब्द हैं, जिसके अनुसार चारों वर्ण केवल समाज को सुचारु बनाने के अभिन्न अंग हैं। जिसमें कोई छोटा बड़ा नहीं अपितु सभी अमूल्य हैं। उन्होंने सभी वर्गों को समान अधिकार देने की बात रखी और वर्ण भेद का विरोध किया।

नारी शिक्षा एवं समानता

स्वामी ने सदैव नारी शक्ति का समर्थन किया। उनका मानना था कि नारी शिक्षा ही समाज का विकास हैं। उन्होंने नारी को समाज का आधार कहा। उनका कहना था कि जीवन के हर एक क्षेत्र में नारियों से विचार विमर्श आवश्यक हैं। जिसके लिये उनका शिक्षित होना जरुरी है।

मेष : होम लोन की अर्जी पारित होने की संभावनाएं हैं। किसी भी प्रोजेक्ट पर काम करने से पहले उससे जुड़े धन संबंधित आंकड़ों पर गौर कर लें। छात्र कठिन सवाल में उलझ सकते हैं। मौसमी बीमारियां हो सकती हैं। मानसिक शांति व संतोष का अनुभव करेंगे।

वृषभ : अपने व्यक्तिगत व व्यावसायिक जीवन में तालमेल बनाकर चलें। छात्रों को समय की मांग समझे। परिवार का कोई सदस्य बिना बात के घर में विवाद खड़ा कर सकता है। हो सके तो इस परिस्थिति को परिपक्वता से संभाल लें।

मिथुन : काम समयसीमा के अंदर ही निबटाने की कोशिश करें ताकि आखिरी मिनट की दौड़भाग से बच सकें। लव पार्टनर रुटीन तोड़कर कुछ रोमांचक करने की इच्छा जता सकते हैं। पुरानी बीमारियों से भी परेशान हो सकते हैं। पुराने निवेश से भी फायदा हो सकता है। नए लोगों से मुलाकात भी होने के योग हैं।

कर्क : अधूरे काम पूरे करना समय की मांग है। प्राथमिकता तय करते हुए काम पूरे करें। धन की स्थिति मजबूत होती जा रही है। प्रेम संबंध गहरा रहा है। छात्रों को कुछ समय का ब्रेक ले लेना चाहिए ताकि वे तरोताजा हो जाएं। बिजनेस या निजी मामलों के लिए लोन लेना पड़ सकता है। अनचाहे खर्चे भी हो सकते हैं।

सिंह : जीवन खुशनुमा रहेगा, मानसिक शांति का अनुभव करेंगे। करियर संबंधित नए विकल्प उभर सकते हैं। अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फिटनेस रुटीन का पालन करें। कोई अनजान व्यक्ति मददगार हो सकता है। दोस्तों के साथ एडवेंचर हॉलीडे के लिए जा सकते हैं।

कन्या : करियर में आगे बढ़ने का सही समय है। धन संबंधी विवाद में उलझ सकते हैं। कारोबार में अनिश्चितता रहेगी। जिन लोगों से प्यार करते हैं, उन्हें खुश करने की कोशिश करें।

तुला : आमदनी का भी कोई एकदम नया सोर्स आपको मिल सकता है। बेरोजगारों को रोजगार मिल सकता है। आनन-फानन में एक से ज्यादा काम एकसाथ शुरु करने से बचें। इससे आपका पैसा और समय भी खर्च हो सकता है। प्रापर्टी से फायदा हो सकता है। कपड़ा व्यापारियों के लिए समय अच्छा है।

वृश्चिक : प्रेम संबंध सही रुप से नहीं चल रहा है। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे जातकों को नौकरी के ऑफर मिल सकते हैं। नए कॉन्ट्रेक्ट साइन करेंगे। सही फैसले लेते हुए अपनी इंकम बढ़ा सकेंगे। परिवार में मधुरता आ सकती है।

धनु : सेहत सुधारने की दिशा में किए गए प्रयास सफल हो रहे हैं। काम से थोड़े समय के ब्रेक ले रुटीन से निजात पाना सही रहेगा। कोर्ट-कचहरी के विवाद उलझ भी सकते हैं। नए संबंध बन सकते हैं, पुराने संबंधों में सुधार होने के योग हैं और मजबूती भी आएगी। किसी बात को लेकर मन बेचैन रह सकता है।

मकर : छात्रों को पढ़ाई-लिखाई को लेकर गंभीर रुख अख्तियार करने की जरुरत है। बिजनेस करने वालों का कारोबार बढ़ेगा। पेट के रोग हो सकते हैं। दूसरों के काम में रोक-टोक करने से बचें। प्रापर्टी खरीदने से पहले उससे जुड़ी कानूनी पेचीदगियों पर गौर जरुर करें। यात्रा रोमांचक व चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

कुंभ : खर्चा को काबू न कर पाना अहितकर रहेगा जिसके कारण जल्दी ही आपको धन संकट का सामना करना पड़ सकता है। शारीरिक पीड़ा के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। छात्रों का आत्मविश्वास अपने चरम पर रहेगा। नौकरी पाने के बेहतर विकल्प उभरेंगे।

मीन : आपका ध्यान पारिवारिक मामलों पर ज्यादा रहेगा। कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमताओं व योग्यताओं का खुलकर प्रदर्शन करें। धन संबंधित बकाया मामले निबट जाएंगे। प्रापर्टी में निवेश करने की जल्दबाजी न करें। लोग आपकी नरमदिली का गलत फायदा उठा सकते हैं।

ईसापुर ग्राम पंचायत में भाजपा का राज

सरपंच कल्पना करंबे व उपसरपंच बने दिलीप सोनवणे

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – तहसील की इसापुर ग्राम पंचायत पर भाजपा ने झंडा फहराया है। सरपंच कल्पना करंबे व उपसरपंच पद पर दिलीप नामदेव सोनवणे को नियुक्त किया गया है। उपरोक्त नियुक्ती से गांव में कुछ देर के लिए तनाव की स्थिती बनी थी। विशेष यह है कि भाजपा समर्थित तीन उम्मीद्वार नियुक्त किए गए व गांव विकास पैनल समर्थित तीन उम्मीद्वार नियुक्त किए गए व गजानन चांदेवार के गट की एक महिला उम्मेदवार के रुप में नियुक्त की गई थी। जिसमें करंबे की किसी भी गट से जुड़ने की भूमिका मुख्य थी। गजानन चांदेवार भाजपा समर्थक होने से करंबे ने सर्वसाधारण स्त्री प्रवर्ग में सत्ता हासिल करने के लिए तीन उम्मीद्वारों ने मतदान किया जिसमें कलंबे को ४ मत मिले तथा गांव विकास पैनल की दीक्षा को ३ मत मिले। इस अवसर पर सरपंच व उपसरपंच को ग्राम पंचायत के सदस्यों ने पुष्पगुच्छ देकर बधाई दी।

बेरोजगारों के पंजीयनकृत सेवा सहकारी संस्था की ओर से प्रस्ताव आमंत्रित

गोंदिया – जिले में बेरोजगारों की सर्व सेवा सहकारी संस्था की ओर से काम वाटप समिति के माध्यम से शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, अर्जुनी मोरगांव और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सालेकसा में प्रशासकीय इमारत में संपूर्ण साफ-सफाई हेतु रोजंदारी दर ३३० रुपए के प्रमाण से एक पद बेरोजगार सोसायटी की ओर से भरने के लिए इच्छुक संस्था की ओर से विभिन्न-विभिन्न स्वतंत्र प्रस्ताव १८ फरवरी २०२१ तक प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रस्ताव पेश करने के लिए संस्था यह सफाई के काम करनेवाली गोंदिया की जिले की होना जरुरी है। सफाई कर्मचारी की नियुक्ती ११ महिनों हेतु करार पद्धती पर रहेंगी। संस्था के पास वाणिज्य स्थापना का लायसंस व आयकर तथा व्यवसाय करने हेतु कर नोंदणी प्रमाणपत्र, लेखा परिक्षण अहवाल, सेवायोजन नोंदणी कार्ड व काम वाटप समिति की ओर से मिले काम का प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। उसी प्रकार संस्था को कम से कम तीन वर्ष संबंधित कार्य का अनुभव रहे। इच्छुक संस्था काम मांगने के लिए अपने प्रस्ताव आवश्क दस्तावेजों के साथ सहायक आयुक्त जिला कौशल्य विकास रोजगार व उद्योजगता मार्गदर्शन केंद्र जिलाधिकारी कार्यालय इमारत दुसरा माला कक्ष क्रमांक २१० गोंदिया के समक्ष १८ फरवरी २०२१ तक कार्यालय के समयनुसार प्रस्तुत करें। समय अवधि के समाप्त होने के बाद आये जुए आवेदनों का विचार नही किया जाएगा। ऐसी जानकारी गोंदिया जिला कौशल्य विकास रोजगार व उद्योजकता मार्गदर्शन केंद्र के सहायक आयुक्त की ओर से दी गई है।

उपचुनाव के लिए मतदाता सूची कार्यक्रम

१० ग्राम पंचायत सामान्य और रिक्त पदों के उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग ने पारंपरिक मतदाता सूची कार्यक्रम को लागू करने का निर्णय लिया है तथा इसकी घोषणा भी की गई है। मतदाता सूची प्राप्त होने की तिथि १५ जनवरी २०२१ होगी। प्रभाग, निहाय प्रारुप बुद्धिमान मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख ११ फरवरी २०२१ है। ११ से १६ आपत्तियां और सुझाव दाखिल करने की समय सीमा फरवरी २०२१ है। उसी प्रकार १८ फरवरी २०२१ को प्रभागनिहाय अंतिम मतदार यादी पेश की जाएगी। इस प्रकार की जानकरी चुनाव आयोग द्वारा दी गई है।

चित्रपट संघटना पुणे द्वारा सुदर्शन लांडेकर का सत्कार

गोंदिया – काल बाबासाहब आंबेडकर स्मारक भवन गोंदिया में एक अस्वरणीय आगला वेगला कार्यक्रम मराठी टेलेंट चित्रपट संघटना पुणे शाखा गोंदिया व हिरासाज प्रोडेक्शन गोंदिया के संयुक्त तत्वावधान में कलावंत सतकार सोहला पाखर माझया मातीचा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पहली मर्तबा गोंदिया जिले में हुए इस कार्यक्रम में निर्माता, निर्देशक, कलाकार, गायक, कथाकार, गीतकार, नायक, नायिका, डांसर, एडिटर, सिनेमाटोग्राफर लघुपट, अलबम सांग्स वेब सीरीज व प्रेत्येक क्षेत्रों के कलाकारों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटक के रुप में विधायक विनोद अग्रवाल के साथ ही विनोद जायस्वाल, राजेश कापसे, दिनेश फरफुंडे, योगेश लिपने, अतुल कडवे, शिव बागुल, अशोक गुप्ता, भावना कदम, घनश्याम पानतावने, मनमितसिंग नैय्यर, डॉ. वंदना नखाते, दिनेश फरफुंडे उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफेल बनाने हेतु दिलीप कोशरे ने अथक प्रयास किया। उसी प्रकार सुदर्शन लांडेकर ने अपने सफलता का श्रेय अपने परिवार, मित्रमंडल, अपने सलाहकार व आयोजकों को दिया।

मतदाता सूची तैयार करने का कार्यक्रम घोषित

गोंदिया – राज्य चुनाव आयोग ने २ फरवरी के आदेशानुसार गोंदिया जिला परिषद व ८ पंचायत समितिओं के चुनाव के लिए मतदाता सूचि तैयार करने का कार्यक्रम घोषित किया गया है। जिसके लिए महाराष्ट्र विधानसभा की १५ जनवरी २०२१ करे घोषित मतदाता सूचि का उपयोग किया जाएगा। गोंदिया जिला परिषद व इसके अंतर्गत ८ पंचायत समितिओं के चुनाव के लिए चुनाव विभाग, निर्वाचन गण के लिए प्रभाग निहाय मतदाता सूचि का विभाजन कर उक्त प्रारुप मतदाता सूचि नागरिकों के अवलोकन के लिए प्रसिद्ध की जाएगी। जिसके बाद आक्षेप व सूचना आमंत्रित की जाएगी। अंतिम व अधिप्रमाणित मतदाता सूचि ३ मार्च २०२१ को संबंधित ग्राम पंचायत कार्यालय व शासकीय कार्यालय के सूचना फलक पर प्रसिद्ध की जाएगी। उक्त मतदाता सूचि के संदर्भ में कुछ आक्षेप होने पर संबंधित संबंधित तहसीलदार के कार्यालय में दाखिल करें। समय के बाद प्राप्त होनेवाले आक्षेप पर विचार नही किया जाएगा। मतदाता सूचि में जिस मतदाता का नाम नजदीक के गांव में व नगर परिषद क्षेत्र में भी मतदाता के तौर दर्ज किया गया है अथवा मतदाता गट व मतदाता गण में एक से अधिक क्षेत्र में दर्ज है तो मतदाता का नाम सिर्फ एक ही जगह पर रहेगा। नाम काम करने संदर्भ का आवेदन तत्काल संबंधित मतदाता केंद्रिय स्तरीय अधिकारी के साथ ही तहसीलदार के पास प्रस्तुत करें। जिस मतदाता का नाम सूचि में दो बार है, मतदाता केंद्र पर आने पर उसके खिलाफ फर्जी मतदाता के तौर पर कार्यवाई की जाएगी। साथ ही जिस विवाहित महिलाओं का नाम निवासी ससुराल में होंगा तो उनके रहवासी स्थान का नाम रखकर अन्य स्थान से नाम काटने का आवेदन प्रस्तुत करें।

पार्षद निर्मला मिश्रा भाजपा महिला मोर्चा शहर अध्यक्ष नियुक्त

गोंदिया शहर में भाजपा के संगठन का विस्तार शुरु है। इसी क्रम में पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल की अनुशंसा एवं गोंदिया शहर भाजपा अध्यक्ष सुनिल केलनका के प्रस्ताव पर तथा भाजपा अध्यक्ष केशवराव मानकर द्वारा भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा में पार्षद निर्मला मिश्रा के साथ ही घोषित शहर कार्यकारिणी में महामंत्री प्रतिमा सिंद्रामे, निलिमा मनकापुरी तथा रिता डिब्बे नियुक्ति की गई है। भाजपा ममो की शहर अध्यक्ष बनाए जाने के पश्चात निर्मला मिश्रा ने कहा कि गोंदिया शहर में भाजपा महिला मोर्चा संगठन का विस्तार करने का उनका प्रयास होंगा। भारतीय सांस्कृतिक पर चलनेवाली भाजपा की विचारधारा से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने के लिए वे प्रयास करेंगी। स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाकर गोंदिया शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने के साथ ही उनके द्वारा महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद मिश्रा ने अधिक से अधिक महिला मोर्चा संगठन से जुड़कर राष्ट्र के विकास में योगदान देने का अहवान किया।

अमरावती के विद्यार्थियों द्वारा विविध कार्य जारी

गत २५ जनवरी से सालेकसा तहसील के ग्राम जमाकुडो में समाजकार्य महाविद्यालय बडनेरा अमरावती के एम.एस.डब्लू. भाग २ के विद्यार्थी सतीश अंभोरे द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में कार्य किए जा रहे है। उपरोक्त कार्य प्रा.डॉ. राजकुमार दासरवाड व प्रा.मेघा कनाटे के मागदर्शन शुरु है। यहां विविध उपक्रम जैसे की गांव का नकसा, गांव की मुख्य समस्या के संदर्भ में जनजागृती, शासकीय कार्यालय तथा इसकी सेवा हेतु जानकारी संकलन व उपाय योजना के लिए मार्गदर्शन करना आदि। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की मदद किए जाने का अहवान सरपंच सरस्वता राहिले व सचिव परमेश्वर नेवारे ने किया है।

ग्राम ईटखेडा में रमाई आंबेडकर जयंती मनाई

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – आनंद बुद्ध विहार दिक्षा भूमि इटखेड़ा में मतोसी रमाई आंबेडकर की १२३ वी जयंती बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अध्यक्ष के रुप में शिक्षिका हुमे व प्रमुख अतिथि के रुप में मंहदले, ताराबाई माटे, अस्मिता वैद्य, बेबिमंदा देशपांडे, मधुलिला लोनारे आदि उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। उसी प्रकार यूथ फॉउंडेशन सोसिअल वर्क असोसिएशन की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उद्घाटक के

रुप में उमाकांत ढेंगे, अध्यक्ष बापूदास देशपांडे तथा प्रमुख अतिथि के रुप में संतोष रोकड़े, सिद्धार्थ सुखदेवे, आकोजी लोणारे, उदेभान गोंडाणे उपस्थित थे। ऐसी प्रतियोगिताओं से ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को रंगमंच की प्राप्ती के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। ऐसा प्रतिपादन संतोष रोकड़े द्वारा व्यक्त किया गया। इस प्रतियोगिता में ०७ से लेकर १४ वर्ष आयु वाले बच्चों में मयुरी लाडगे प्रथम व खुशी भोवते ने द्वितीय तथा आकांशा गोंडाने ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उसी प्रकार प्रतियोगिता में १४ वर्ष की आयु से अधिक वालों में काजल सौंदरकर प्रथम, प्रीती रंगारी व गुप द्वितीय व प्रभाकर गोंडाणे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन लोणारे व आभार आशिर्वाद लांडगे ने माना। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूथ फॉउंडेशन सोसिअल वर्क के सदस्यों ने अथक प्रयास किया।

माधुरी वानकर को उत्कृष्ट योग शिक्षक पुरस्कार

गोंदिया जिले के पालकमंत्री अनिल देशमुख के हस्ते २६ जनवरी को योग व अयुर्वेदाचार्य. डॉ. माधुरी वानकर (परमार) को उत्कृष्ट योग शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कोरोना महामारी के संक्रमण के दौरान लोगो के घर में पहुंचकर योग का प्रशिक्षण दिया। माधुरी वानकर (परमार) गोंदिया जिले की प्रथम योग शिक्षिका है तथा योग टीचर्स कौन्सिल की अध्यक्ष है। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपककुमार गीणा, जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदिप डांगे, सामान्य मुख्य कार्यकारी अधिकारी नरेंद्र भांडारकर, निवासी उपजिला अधिकारी जयराम देशपांडे, जिला आपत्ती व्यवस्थान अधिकारी राजन चौबे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, उपविभागीय अधिकारी वंदना खवरंपाते, तहसीलदार अनिल खड़तकर, नगर परिषद कार्यकारी करण चव्हाण, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी राजकुमार हिवारे आदि ने माधुरी वानकर (परमार) को बधाई दी।

शिवसेना महिला जिला संघटक पद पर करुणा कुर्वे की नियुक्ति

जिला प्रमुख सुरेंद्र नायडु ने सौंपा नियुक्ति पत्र

संवाददाता देवरी – शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे के आदेशानुसार पूर्व विदर्भ संपर्क प्रमुख सांसद गजानन कीर्तिकर व पूर्व विदर्भ समन्वयक प्रकाश वाघ के सुचनानुसार व गोंदिया जिला प्रमुख नीलेश धुमाल के साथ चर्चा कर गोंदिया जिला प्रमुख सुरेंद्र नायडु ने सर्वसम्मति से गोंदिया जिला शिवसेना महिला आद्याडी की जिला संघटिका पद पर देवरी की करुणा अनिल कुर्वे की नियुक्ती की। उपरोक्त नियुक्ति आमगांव के शिवसेना जिला कार्यालय में जिला प्रमुख सुरेंद्र नायडु की ओर की गई तथा इस नियुक्ति का पत्र करुणा कुर्वे को सौंपा गया। नियुक्ती को लेकर कुर्वे ने कहा कि जो विश्वास शिवसेना ने मुझपर दिखाया है उसपर खरा उतरने का प्रयास होंगा। इस अवसर पर जिल संपर्क प्रमुख नीलेश धुमाल, जिला प्रमुख सुरेंद्र नायडु, युवासेना जिला प्रमुख कगेश राव, आमगांव तहसील महिला संघटिका देवांगना तुरकर, जिला उपसंघटिका माया शिवणकर, शहर संघटिका मारबदे, उषा मेंढे, देवरी तहसील प्रमुख सुनील मिश्रा, शहर प्रमुख राजा भाटिया, विधानसभा संघटक राजिक खान, देवरी तहसील संघटिका प्रीति उईके आदि द्वारा कुर्वे की नियुक्ती किए जाने पर बधाई दी गई।

१३८९४ हेक्टर रबी फसल के लिए सिंचाई का नियोजन

गोंदिया – पिछले वर्ष जिले में बड़े पैमाने पर बारिश हुई। जिसके चलते प्रकल्पों में लबालब पानी भरा हुआ है। जिसे देखते हुए सिंचाई विभाग की ओर से जिले में रबी फसल की सिंचाई के लिए १३८९४ हेक्टर भूमि का नियोजन बैठक में किया गया। जिले की अधिकांश खेती वर्षा ऋतु पर निर्भर है तथा अच्छी बारिश होने से ही फसल की उन्नती में बढ़ोत्तरी होती है। रबी फसल के दौरान ही सिंचाई विभाग की ओर से सिंचाई क्षेत्रों की घोषणा की जाती है, अन्यथा पानी के अभाव से कई किसानों द्वारा रबी की फसल नही लगाई जाती। लेकिन पिछले वर्ष हुई लबालब बारिश से प्रकल्पों में पानी की स्थिति अच्छी है तथा सिंचाई नियोजन के बाद भी गर्मी के दौरान प्रकल्पों में पानी बना रहे इसे देखते हुए जिले में रबी फसल हेतु १३८९४ भूमि के सिंचाई का नियोजन बैठक में किया गया है। जिले के इटियाडोह प्रकल्प के माध्यम से ९९३४ हेक्टर व बाघ प्रकल्प पुजारीटोला से ३९६० ऐसा कुल मिलाकर १३८९४ के सिंचाई का नियोजन बनाया गया है।

शिवसेना महिला आघाड़ी की ओर से ग्रामीण चिकित्सालय में फलों का वितरण

संवाददाता देवरी – गोंदिया जिला शिवसेना महिला आघाडी व जिला महिला संघाटिका करुणा कुर्वे के नेतृत्व में राज्य के नगर विकास सार्वजनिक बांधकाम मंत्री एकनाथ शिंदे के जन्मदिन अवसर पर ग्रामीण चिकित्सालय में मरीजों को फलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर तहसील के ग्रामीण चिकित्सालय के मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी लेकर फलों का वितरण किया गया। इस अवसर पर करुणा अनिल कुर्वे, सुनील मिश्रा, सचिन भांडारकर, प्रीति नेताम, चेतनकुमार झंजाल, राजा गुप्ता, अल्का चाटारे, सरीता चाटारे, जयवंता मानकर आदि उपस्थित थे।

फसल पर आधारित क्षेत्रीय दिवस का आयोजन

अर्जुनी मोरगांव तहसील अंतर्गत आनेवाले ग्राम ईटखेड़ा में १२ फरवरी को देशपांडे के खेत में चने की फसल पर आधारित क्षेत्रीय दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन चने की फसल के साथ-साथ अन्य अनाज व बाजरा के क्षेत्र को बढ़ाने तथा उत्पादन में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में मंडल कृषि अधिकारी सुधीर वरखडे, कृषि पर्यवेक्षक नरेश बोरकर, कृषि सहायक पंकज सुर्यवंशी, संध्या बडोले, बी.एन. येरणे उपस्थित थे। इस अवसर पर कृषि पर्यवेक्षक नरेश बोरकर ने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनओं को लेकर मार्गदर्शन किया। उसी प्रकार कृषि सहायक पंकज सुर्यवंशी ने आधुनिक तंत्रज्ञान का उपयोग कर चने की फसल के साथ किटको से बचाव व अन्य फसलों की बढ़ोत्तरी के लिए मार्गदर्शन किया।

पं.दीनदयाल की पुण्यतिथि मनाई

संवाददाता आमगांव – चिंतक एकात्म मानववाद के पथ-प्रदर्शक अंत्योदय की परिकल्पना को साकार करने वाली विचारधारा को प्रदान करनेवाले भारतीय राजनीती के गौरव तथा भारतीय जन-संघ को संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि समर्पण दिवस के रुप में देवरी तहसील अंतर्गत आनेवाले पुराडा जिला परिषद क्षेत्र में मनाई गई। कार्यक्रम की शरुवात उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर व दिप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम अध्यक्ष झामसिंग येरने ने की। प्रमुख अतिथि आमगांव देवरी विधानसभा के पूर्व विधायक संजय पुराम, पूर्व बालकल्याण सभापति सविता पुराम व ग्राम जनप्रतिनिधियों के साथ ही नागरिक उपस्थित थे।

रोहिदास ऊके का सत्कार

जिले की अर्जुनी मोरगाव तहसील के ग्राम पिपलगांव खांबी मेंप्रतिभावंत कलावंत प्रशांत रोहिदास ऊके को मराठी फिल्म संघटना पुणे और हिराज प्रोडेक्शन गोंदिया की ओर से उत्कृष्ट कॅमेडी सिने कलाकाल के रुप में सत्कार किया गया। गोदिया के डॉ. बाबासाहब आंबेडकर भवन में आयोजित पाखर माझया मातीचे इस अभिनव कायक्रम में दिग्दर्शक दिलीप कोशरे व दिनेश फरकुडे के हस्ते प्रशांत रोहिदास का सत्कार किया गया। इस अवसर पर उद्घाटक के रुप में विधायक विनोद अग्रवाल तथा प्रमुख अतिथि के रुप में अभिनेता वंदन नखाते, राजेश कापसे, संघटन के संस्थापक योगेश लिपने व श्रुती कदम आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अश्वीन खाडेकर व आभार प्रदर्शन प्रभाकर लांढे ने माना।

सक्षिप्त समाचार

युवक पर चाकु से हमला

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम चुटिया में फर्यादी नितेश मुन्ना टेंभरे (२५) अपने हॉटेल में बैठा हुआ था। इसी दौरान आरोपियों ने वहां पहुंचकर भोजन तैयार करने के लिए कहा। जिसपर फर्यादी ने मना कर दिया। जिसे लेकर आरोपियों ने चाकु का डर बताकर फर्यादी की नाक पर बुक्का मारकर उसे घायल कर दिया। फर्यादी की शिकायत व डॉक्टरी अहवाल के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कम्पयूटर सामग्री पर हांथ साफ

तिरोड़ा थाना अंतर्गत आनेवाले जिप उच्च प्राथमिक शाला चिखली में अज्ञात चोरो ने सेंधमारी कर कम्पयूटर सामग्री पर हांथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार फर्यादी आंनदराव हरिचंद्र भगत जब १२ फरवरी को सुबह ९.३० बजे के दौरान शाला पहुंते तो दरवाजे पर लगा ताला टुटा हुआ दिखाई पड़ा तथा कम्प्यूटर सहित ४३ हजार का माल गायब था। मामले की जांच थानेदार योगेश पारधी के मार्गदर्शन कांस्टेबल बरैय्या कर रहे है।

दुपहिया चोरी

तिरोड़ा पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले संत रविदास वार्ड, तिरोड़ा निवासी फर्यादी प्रदिप कनोजे (३२) ने अपनी मोटर सायकल क्र. एमएच ३५ ए.के. ७५२२ कीमत ५० हजार रु. को खैरलांजी स्थित रोड़ के समीप खड़ा कर धामे के घर में फर्जीचर का काम कर रहा था। इसी दौरान अज्ञात आरोपियों ने मोटर सायकल चोरी कर ली। शिकायत पर धारा ३७९ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आलमारी से नगदी व आभूषणों की चोरी

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम बोधीत्सव चौक कुंभारे नगर निवासी फर्यादी अश्विन भिमराव चौधरी (३७) के घर में सुनेपन का लाभ उठाकर किन्ही अज्ञात चोरो ने घर के सामने का दरवाजा तोड़ भीतर प्रवेश किया तथा वहां मौजुद आलमारी से सोने के जेवरात समेत नगदी ७ हजार व किचन में रखी तांबे की गुंडी, स्टील के डब्बे सहित कुल ५७ हजार २०० रुपए का माल लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर डुग्गीपार थाने में धारा ४५४, ४५७, ३८०, के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिसकर्मी सपाटे कर रहे है।

कुंए में गिरने से वृद्ध की मौत

आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत आनेवाले ग्राम तिगांव निवासी रुपलाल आसराम रहांगडाले (६१) १२ फरवरी को अपने खेत में लगे मोटरपंप को शुरु करने गया इसी दौरान बिना चार दीवारी के बने कुंए में संतुलन बिगड जाने से गिर गया तथा पानी में डुबकर उसकी मौत हो गई। इस संदर्भ में आमगांव पुलिस ने धारा १७४ के तहत मामला दर्ज किया है।

वृद्ध मालकिन पर हमला कर ५ लाख लेकर फरार

देवरी थाना अंतर्गत आनेवाले वार्ड क्र. ४ कारगिल चौक सांई मंदिर समीप रहनेवाली भाटिया परिवार की घर मालकिन पर उन्ही के घर पर काम करनेवाली युवती ने लाठी से सिर पर प्राणघातक हमला कर ५ लाख रुपए लेकर फरार हो गई। यह घटना १३ फरवरी की रात ८.३० बजे के दौरान घटित हुई। घटना की जानकारी प्राप्त होते ही अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुलकर्णी ने घटनास्थल को भेंट दी। जानकारी के अनुसार उक्त घटना के दौरान फर्यादी राजपालसिंह गुरुमितसिंह भाटिया की मां रघुवीर कौर घर में अकेली थी जिसका लाभ लेते हुए उनके निवास स्थान में काम करनेवाली युवती ने उनके सिर पर लाठी से जोरदार हमला कर हत्या करने का प्रयास किया तथा कपाट में रखे ५ लाख रुपए लेकर फरार हो गई। मामले की जांच थानेदार अजित कदम के मार्गदर्शन में की जा रही है।

ऑनलाइन ठगी का बनाया शिकार

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत रेलटोली में एक युवक के साथ जालसाजी करने का मामला सामने आया है। इस संदर्भ में फर्यादी की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा ४२० के तहत मामला दर्ज किया गया। जानकारी के अनुसार पंचायत समिति शास्त्री वार्ड निवासी ममता विनोदकुमार चौधरी (४३) के बेटे को हेडफोन ऑनलाइन द्वारा खरीदना था। जिसपर आरोपी ने शिकायतकर्ता के मोबाईल पर एक लिंक भेजी उस लिंक को क्लिक कर मांगी गई जानकारी भरने को कही गई। लेकिन आरोपी ने उस लिंक का उयोग कर शिकायतकर्ता के बैंक अकाऊंट से ५८ हजार ९९८ रुपए निकाल लिए। मामले के आगे की जांच पुलिस निरीक्षक घोंगे कर रहे है।

संत सेवालाल महाराज की जयंती मनाई

पुलिस अधीक्षक कार्यालय गोंदिया में १५ फरवरी को पुलिस निरीक्षक तथा अति. कार्य पुलिस उप-अधीक्षक तेजस्वनी कदम के हस्ते संत सेवालाल महाराज के जयंती अवसर पर उनके तैलचित्र पर माल्यर्पण व पुष्पगुच्छ अर्पित कर अभिवादन व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पुलिस निरीक्षक राजु बंसी मेंढे, उद्धव डमाले व पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

पैसेंजर व लोकल ट्रेन जल्द ही लौटेंगी पटरी पर

गोंदिया– कोरोना महामारी संक्रमण के कारण पिछले ११ महिनों से रेलसेवा पूर्ण रुप से शुरु नही हो पाई है। कई विशेष गाड़ियों को चलाया जा रहा है। लेकिन लोकल व पैसेंजर ट्रेन शुरु नहीं किए जाने से वर्तमान स्थिति में यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ ही परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते अब रेल विभाग की ओर से सर्वाधिक यात्रियों वाले रेल मार्ग पर दौड़नेवाली पैसेंजर व लोकल ट्रेनों की सूचि मंगाई गई है। पिछले १० से १५ दिनों में उक्त ट्रनों के शुरु होने की संभावना है।

गौरतलब है कि हावड़ा- मुंबई रेलमार्ग पर गोंदिया रेलवे स्टेशन प्रमुख है तथा यहां से प्रतिदिन १५० यात्री ट्रनों का परिचालन होता है। लेकिन कोरोना महामारी का संक्रमण फैलने से पिछले ११ महिनों से पैसेंजर व लोकल ट्रेने अब तक पटरी पर नहीं लौट पाई है। जिससे दुध विक्रेता, सब्जी विक्रेता, रोजगार हेतु आनेवाले युवक तथा गरीब लोगो के लिए जीवनदायी मानी जानेवाली पैसेंजर व लोकल ट्रेन बंद होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसी अन्य ट्रेन में यात्रा करने पर ५ से १० प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क का भुगतान रेल यात्रियों को करना पड़ता है जिसके कारण यात्रियों को आर्थिक नुकसान के साथ ही यात्रा के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेल विभाग ने १०-१५ दिनों में उपरोक्त ट्रनों को शुरु किए जाने की जानकरी दी है।

भुसावल पैसेंजर गोंदिया से चलाने की मांग

हावड़ा-मुंबई रेलमार्ग पर गोंदिया रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन यात्रा करनेवाले यात्रियों की संख्या ३० हजार है जिसके चलते भुसावल पैसेंजर, अमरावती-जबलपुर इन ट्रेनों को गोंदिया से चलाए जाने की मांग रेल यात्रियों ने की है। उक्त ट्रेने शुरु होने से यात्रियों की परेशानी कम की जा सकती है।

जल्द ही ट्रेनों में होंगी बढ़ोत्तरी

गोंदिया रेलवे स्टेश्न से लॉकडाऊन के पूर्व प्रतिदिन १५० ट्रेने दौड़ती थी। लेकिन वर्तमान में केवल ३० से ३५ गाड़िया ही दौड़ रही है। रेल विभाग की ओर से ट्रेनों की संख्या में जल्द ही बढ़ोत्तरी किए जाने की जानकारी दी गई है।

टैक्स वसूली अभियान : कोचिंग क्लास, दुकान, गोदाम सील

गोंदिया नगर परिषद द्वारा बकाया टैक्स वसूली अभियान के अंतर्गत १५ फरवरी को पन्नालाल दुबे वार्ड स्थित सविता प्रमोद जैन की इमारत को सील किया गया जिसमें इक्वेशन कोचिंग क्लास एक ऑफिस जो किराए से चल रहा था उन्हें भी सील किया गया। उपरोक्त इमारत पर वर्ष २०१६-१७ से १,१५४०९ रुपए का टैक्स बकाया था।

दूसरी कार्रवाई पन्नालाल दुबे वार्ड स्थित रतनलाल रिखीलाल जैन जिन पर २०१५-१६ से १,२३,११८ रुपए का टैक्स बकाया होने के चलते गोदाम व इमारत को सील किया गया। इसके साथ ही अन्य कार्रवाई में बी.एम. पटेल वार्ड स्थित हेमराज पन्नालाल बोपचे की दुकान का शटर बंद किया गया। मनोहर भाई वार्ड स्थित श्रीमती कुरेशा बेगम इस्माइल कुरेशी पर अधिपत्र की कार्यवाही कर एक दिन का जब्ती वारंट दिया गया जिन पर २००३-४ से ७२,७२९ रुपए का टैक्स बकाया था। उपरोक्त कार्रवाई मुख्य अधिकारी करण चौहान के मार्गदर्शन में उपमुख्य अधिकारी व टैक्स अधीक्षक विशाल बनकर एवं टैक्स विभाग के कर्मचारियों द्वारा की गई।

निधि के अभाव में अटके वर्चुअल क्लास

२७१ जिप शालाओं को १०.८४ करोड़ का इंतजार

गोंदिया– जिप शालाओं को शत- प्रतिशत डिजिटल करने के बाद अब शालाओं के कायाकल्प की दुनिया में आभासी कक्ष (वर्चुअल क्लास) प्रकल्प के माध्यम से शालाओं को सुसज्ज करने का निर्णय लिया गया। हालांकि यह प्रकल्प निधि के अभाव में अटका हुआ है। यदि निधि प्राप्त होती है तो जिले की २७१ शालाएं हाईटेक हो जाएगी। फिलहाल इन शालाओं को निधि का इंतजार है। शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार १०० से अधिक विद्यार्थी संख्यावाली शालाओं में वर्चुअल क्लास प्रोजेक्ट शुरु करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा सर्वे किया गया एवं अर्जुनी मोरगांव तहसील की ३०, आमगांव २२, देवरी २२, गोंदिया ६४, गोरेगांव ३६, सालेकसा ६, सड़क अर्जुनी २९ एवं तिरोड़ा तहसील की ३२ शालाओं में वर्चुअल क्लास रुम से सुसज्जित करने का नियोजन भी किया गया। लेकिन पिछले एक वर्ष से निधि नहीं मिलने के कारण यह प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए प्रति स्कूल ४ लाख के तौर पर १० करोड़ ८४ लाख रुपए निधि की आवश्यकता है। उल्लेखनिय है कि जुलाई २०१९ में इस प्रोजेक्ट को लेकर सर्वे किया गया था। लेकिन जब तक किसी भी स्कूल में आभासी कक्षा शुरु नहीं हो पाई है।

हाईटेक तकनीक का होगा उपयोग

आभासी कक्ष में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा दी जाएगी। जिसका मध्यवर्ती स्टूडियों महाराष्ट्र के सांस्कृतिक शहर पुणे में होंगा। स्टूडियो में राज्य के प्रसिद्ध विशेषज्ञ शिक्षकों को बुलाकर उनके द्वारा उनके द्वारा विद्यार्थियों को अध्यापन कराया जाएगा। इस तरह की हाईटेक प्रणाली से निश्चित रुप से जिप शालाओं का शिक्षा का स्तर बढने में मद्द मिलेंगी।

निधि मिलते ही शुरु किया जाएगा प्रोजेक्ट

वर्चुअल क्लास प्रोजेक्ट आधुनिक तकनीकि पर आधारित है। जिसके लिए स्कूल में इलेक्ट्रेनिक संसाधन होना आवश्यक है। चयन किए सभी २७१ शालाओं को हाईटेके करने के लिए लगभग १०.८४ करोड़ की आवश्यकता है। जिसकी मांग की गई है। निधि उपलब्ध होते ही यह प्रोजेक्ट शुरु होगा। जिससे जिप शालाओं में एक नई शैक्षणिक क्रांति होंगी।

– राजकुमार हिवारे
प्राथमिक शिक्षणाधिकारी जिप गोंदिया

अंतरजातीय विवाह करनेवाले ११३ युगल कन्यादान से वंचित

गोंदिया – समाज से जातिवाद खत्म कर सामाजिक एकता निर्माण करने के लिए राज्य व केंद्र सरकार द्वारा अंतरजातीय विवाह को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। लेकिन समय पर निधि नहीं आने से अंतरजातीय विवाह करने वाले जिले के ११३ युगल कन्यादान से वंचित रह गए। गोंदिया जिले में अंतरजातीय विवाह कन्यादान योजना के तहत लाभ लेने के लिए वर्ष २०१९-२० में प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले १३२ युगलों को ६६ लाख रुपए का अनुदान वितरित किया गया है तथा ३३ युगलों के प्रस्ताव प्रलंबित है। उसी प्रकार वर्ष २०२०-२१ में अंतरजातीय विवाह कर अनुदान के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले ८० युगलों में से एक भी युगल को अब तक लाभ नहीं मिला है। ११३ युगलों को कन्यादान का इंतजार है। पिछले दो वर्षोंमें २४५ अंतरजातीय विवाह हुए है। जिनमें १३२ युगलों को अनुदान का लाभ मिला है। पिछड़ा प्रवर्ग का युवक या युवती अन्य प्रवर्ग के युवक या युवती से विवाह करता है तो उसे अंतरजातीय विवाह माना जाता है। जातीयता नष्ट करने हेतु शासन द्वारा अंतरजातीय विवाह करनेवाले युगलों को प्रोत्साहन के तौर पर ५० हजार रुपए अनुदान दिया जाता है।

अंतरजातीय विवाह के प्रस्तावों के आधार पर शासन निधि से मांग की गई है। कोरोना की समस्या के चलते अब तक निधि नही मिली है। निधि प्राप्त होते ही नियमानुसार पात्र लाभार्थियों को लाभ दिया जाएगा।

– तुकाराम बडगे,
जिला समाज कल्याण अधिकारी गोंदिया

जनसेवा बहुउद्देशीय संस्था ने किया कोरोना योद्धाओं का सत्कार

गोंदिया – जनसेवा बहुउद्देशीय संस्था सौंदड की ओर से स्नेह मिलन व कार्यकर्ता सम्मेलन तथा मां आत्मे ईश्वरी दुर्गा मंदिर का १५ वा वर्धापन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोरोना काल के दौरान विविध क्षेत्रों के पत्रकार स्वास्थ्य कर्मचारी, ग्रामपंचायत कर्मचारियों ने जनता के लिए उत्तम कार्य किया। जिसके चलते जनसेवा संस्था की ओर से सम्मान प्रमाणपत्र, स्मृतिचिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर कोरोना योद्धाओं का सत्कार किया गया। उसी प्रकार ग्राम सौंदड़ में मां आदिशक्ति आत्मे ईश्वरी दुर्गा मंदिर का १५ वा वर्धापन दिवस के अवसर पर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि के रुप में पूर्व मंत्री इंजि. राजकुमार बडोले, जनसेवा परिवर्तन पेनल के अध्यक्ष संदीप मोदी, जनसेवा बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष हर्ष कुमार मोदी, जनसेवा महिला अध्यक्ष रंजना भोई, भाजपा तहसील कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल, विनोद कुमार मोदी, शेषराव गिरेपुंजे, गिरिधारी हत्तीमारे , कविता रंगारी, अंजली मुनीश्वर, जय प्रकाश मोदी, कपिल अग्रवाल, डॉ. गहाणे, चरण शहरे, मदन साखरे, ओमकार इरले, शोभा चोपकर, वर्षा शहरे, रुपाली टेंभुर्णी, रंजना गोबाडे, सुभाष सावरकर, सावल ईरले उपस्थित थे। इस अवसर पर सफाई कर्मचारी, स्वास्थ्य कर्मचारी, ग्रामपंचायत कर्मचारी, अंगणवाडी सेविका, आशा सेविका, सामाजिक कार्यकर्ता व पत्रकार संघ के अध्यक्ष अनिल मुनीश्वर, बिरला गणवीर, राजेश मुनीश्वर, शाहिद पटेल, अशोक इरपाते, बबलू मारवाडी, सुशील लांडे का कोरोना योद्धा के रुप में सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन गौरव बावनकर ने किया।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।